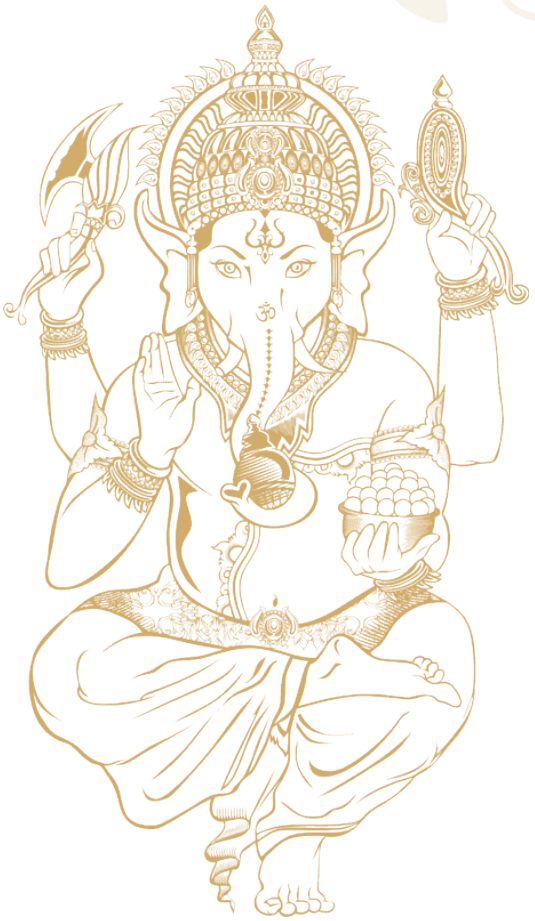

Boy

Ms. Shreya Mishra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121431502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/08/1998	जन्म तिथि	26/08/1997
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 14:55:00	जन्म समय	17:00:00 घंटे
घटी 23:29:29	जन्म समय(घटी)	28:46:51 घटी
India	देश	India
Ara	स्थान	Patna
25:34:00 उत्तर	अक्षांश	25:37:00 उत्तर
84:40:00 पूर्व	रेखांश	85:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:08:40	स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:31:12	सूर्योदय	05:27:04
18:11:48	सूर्यास्त	18:14:29
23:50:10	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:25

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 3वर्ष 5मा 13दि	18:43:17	धनु	लग्न	मक	17:32:57	मंगल 5वर्ष 5मा 23दि
शुक्र	13:56:46	सिंह	सूर्य	सिंह	09:26:19	गुरु
12/02/2009	27:17:32	वृश्चि	चंद्र	वृष	26:13:37	18/02/2021
12/02/2029	12:57:15	कर्क	मंगल	तुला	13:46:10	18/02/2037
शुक्र 13/06/2012	25:46:16	कर्क	बुध व	सिंह	18:54:17	गुरु 08/04/2023
सूर्य 14/06/2013	01:15:03	मीन व	गुरु व	मक	21:02:42	शनि 19/10/2025
चन्द्र 12/02/2015	28:14:51	कर्क	शुक्र	कन्या	16:41:25	बुध 25/01/2028
मंगल 13/04/2016	09:34:47	मेष व	शनि व	मीन	26:01:09	केतु 31/12/2028
राहु 14/04/2019	07:36:11	सिंह व	राहु व	सिंह	26:02:33	शुक्र 01/09/2031
गुरु 13/12/2021	07:36:11	कुंभ व	केतु व	कुंभ	26:02:33	सूर्य 19/06/2032
शनि 12/02/2025	15:52:05	मक व	हर्ष व	मक	11:49:27	चन्द्र 19/10/2033
बुध 14/12/2027	05:59:07	मक व	नेप व	मक	03:50:33	मंगल 25/09/2034
केतु 12/02/2029	11:31:25	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:03:07	राहु 18/02/2037

लग्न-चलित

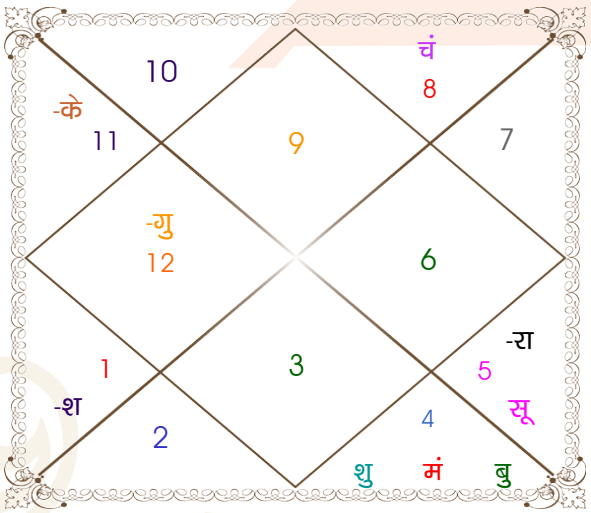

लग्न-चलित

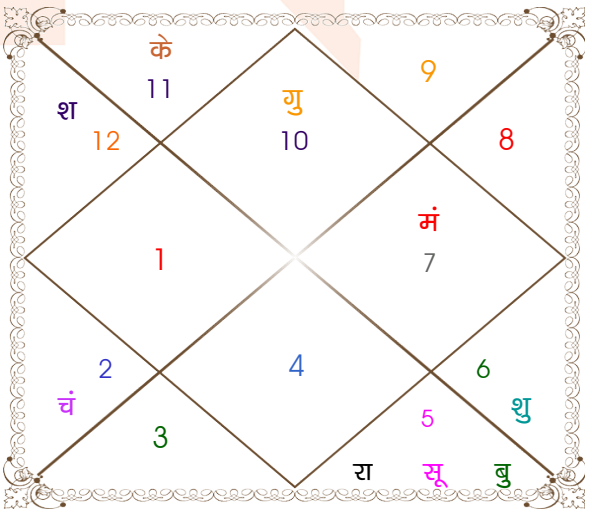

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

Boy का वर्ग मृग है तथा डेण्ौतमलं डपैीतं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Boy और डेण्ौतमलं डपैीतं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Boy मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Boy कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्ौतमलं डपैीतं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डेण्ौतमलं डपैीतं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण्ौतमलं डपैीतं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Boy तथा डेण्ौतमलं डपैीतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।